हिंदी (व्यावहारिक हिंदी)

प्रस्तावना

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है । आज संपूर्ण संसार एक होता जा रहा है। अत: संप्रेषण हेतु भाषा का महत्व बढ रहा है। हिंदी संपर्क भाषा है अत: संचार के विविध क्षेत्रों में हिंदी की भाषिक प्रयुक्तियाँ महत्वपूर्ण होती जा रही है। उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों को उनसे परिचित कराने की दृष्टि से प्रस्तुत पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश

१. श्रवण, भाषण, पठन एवं लेखन क्षमताओं का विकास करना।
२. आकलन एवं विचार-विनिमय करने की क्षमता का विकास करना।
३. रेडियो, दूरदर्शन, विविध चैनल्स समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन माध्यम आदि में प्रयुक्त लिखित, मौखिक भाषा से परिचित करना।
४. विविध सरकारी स्वायत्त संस्थाओं में प्रयुक्त विशिष्ट पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।
५. कार्यालयीन एवं व्यावसायिक पत्राचार से परिचित कराना।
६. पत्रकारिता के विविध रुपों से परिचित कराना।
७. कँप्यूटर की जानकारी देना।
८. अनुवाद के लिए प्रेरित करना।
९. विज्ञापनों की भाषिक प्रयुक्ति की जानकारी देना।
१०. संभाषण कौशल विकसित करना आदि.....

कक्षा ग्यारहवीं

पाठ्यक्रम

१) हिंदी भाषा का स्वरुप - हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास हिंदी का संवैधानिक रुप- राष्ट्रभाषा, राजभाषा

२) मानक लेखन- मानक वर्तनी, देवनागरी लिपि वर्ण एवं आंतरराष्ट्रीय अंक लेखन

३) पारिभाषिक शब्दावली - सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त शब्द, विधी, बँक, वाणिज्य, विज्ञान आदि क्षेत्रोंसे संबंधित प्रत्येकी ५० शब्द- अथवा व्यवहारोपयोगी संवाद तथा जानकारी

४) अनुवाद - स्वरुप, प्रक्रिया, प्रकार। अंग्रेजी से हिंदी में अुनवाद (एक या दो परिच्छेद)

५) विज्ञापन - स्वरुप, आवश्यकता, प्रकार। विज्ञापनोंकी हिंदी ।

६) पत्राचार- सरकारी पत्र-६
व्यावसायिक पत्र -४

७) व्यावहारिक हिंदी- सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त शब्द (संपादक मंडळ निमंत्रक के साथ विचार-विमर्श करके पाठ्यक्रम में संशोधन कर सकता है।)

कक्षा बारहवीं

पाठ्यक्रम

१) पत्रकारिता का स्वरुप - हिंदी पत्रकारिता के विविध रुप- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र),
रेडियो की पत्रकारिता, दूरदर्शन की पत्रकारिता

२) जनसंचार माध्यम - स्वरुप, कार्य, उद्देश

३) जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रुप - समाचार की भाषा, विज्ञापन की भाषा, कृषि तथा बच्चों के कार्यक्रम की भाषा।

४) हिंदी से संबंधित तकनिकी ज्ञान - कँप्यूटर, एम.एस. वर्ड, डी.टी.पी., इंटरनेट, वेबसाईट, ई-कॉमर्स आदि की प्राथमिक जानकारी -अथवा संबंधित विषय पर आधारित संवाद

५) परिभाषिक शब्दावली- सरकारी, अर्धसरकारी, विविध संस्थाओं में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली -प्रत्येकी लगभग ५० शब्द

६) पत्राचार- सरकारी पत्र-६
व्यावसायिक पत्र -४
(संपादक मंडळ निमंत्रक के साथ विचार-विमर्श करके पाठ्यक्रम में संशोधन कर सकता है।)

❖❖❖